

प्रेषक,

एम.एच. खान,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में

निदेशक,
शहरी विकास निदेशालय,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

शहरी विकास अनुभाग-2

देहरादून : दिनांक : 29 मार्च, 2013

विषय: यू.यू.एस.डी.आई.पी. परियोजना के ट्रॉच-2 हेतु ₹ 8.00 करोड़ की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक कार्यक्रम निदेशक, उत्तराखण्ड अर्बन सेक्टर डेवलपमेंट इन्वेस्टमेंट प्रोग्राम, उत्तराखण्ड, देहरादून के पत्र संख्या—यू.यू.एस.डी.आई.पी./1220, दिनांक 22 मार्च, 2013 के प्रस्ताव के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि यू.यू.एस.डी.आई.पी. के अन्तर्गत प्रस्तावित ट्रॉच-2 के कार्यों को प्रारम्भ करने हेतु मोबालाईजेशन एडवांस के भुगतान हेतु ₹ 8.00 करोड़ (₹ आठ करोड़ मात्र) की धनराशि की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुए व्यय हेतु आपके निर्वतन पर निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :—

- 1— उपरोक्त अवमुक्त धनराशि के सापेक्ष ₹ १०००००००० अंश की प्रतिपूर्ति ₹ १०००००००० से प्राप्त होने वाले Loan से Retroactive financing के माध्यम से करा ली जाय।
- 2— उक्त धनराशि ₹ 8.00 करोड़ (₹ आठ करोड़ मात्र) की धनराशि आपके द्वारा आहरित कर कार्यक्रम निदेशक, उत्तराखण्ड अर्बन सेक्टर डेवलपमेंट इन्वेस्टमेंट प्रोग्राम, देहरादून को बैंक ड्राफ्ट अथवा चैक के माध्यम से उपलब्ध करायी जायेगी।
- 3— स्वीकृत धनराशि का व्यय केवल उन्हीं मदों में किया जाएगा, जिनके लिए स्वीकृति प्रदान की जा रही है।
- 4— व्यय करते समय वित्तीय हस्तपुस्तिका, बजट मैनुवल, उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008 मितव्यिता के विषय में शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत आदेश, अन्य तदविषयक नियमों एवं समय-समय पर निर्गत तदविषयक आदेशों का अनुपालन किया जाएगा।
- 5— उक्त धनराशि काव्यय मितव्यिता को दृष्टिगत रखते हुए नियमानुसार अनुमन्यता के आधार पर किया जाएगा तथा व्यय नई मदों में कदापि नहीं किया जाएगा।
- 6— अप्रयुक्त धनराशि का बजट मैनुअल के अन्तर्गत समय सारणी के अनुसार समर्पित किया जाना सुनिश्चित किया जाए।

- 7— यूयूएसडीआईपी द्वारा निर्माण कार्य, प्रोजेक्ट एग्रीमेंट/ऋण अनुबन्ध के अनुसार निर्धारित अवधि के अन्तर्गत पूर्ण किया जाना आवश्यक होगा और त्रैमासिक प्रगति रिपोर्ट शासन को उपलब्ध करानी होगी, जिसमें भौतिक प्रगति का स्पष्ट उल्लेख होगा।
- 8— कार्य की गुणवत्ता एवं समयबद्धता हेतु सम्बन्धित निर्माण एजेन्सी और उसके अधियन्ता पूर्णरूपेण उत्तरदायी होंगे तथा प्रोजेक्ट एग्रीमेंट का अनुपालन भी सुनिश्चित किया जायेगा।
- 9— निर्माण कार्य पर प्रयोग किये जानी वाली सामग्री का नमूना परीक्षण अवश्य करा लिया जाये तथा उपयुक्त पायी गयी सामग्री का ही प्रयोग निर्माण कार्य में किया जाये।
- 10— मुख्य सचिव महोदय, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या—2047 / XIV-219/2006, दिनांक 30 मई, 2006 के द्वारा निर्गत आदेशों के कम में कार्य कराते समय अथवा आगणन गठित करते समय का कड़ाई से पालन किया जाए।
- 11— निर्माण एजेन्सी के चयन में शासनादेश संख्या—452 / XXVII(1) / 2005, दिनांक 05 अप्रैल, 2005 में निर्गत निर्देशों का अनुपालन किया जायेगा।
- 12— जी0पी0डब्ल्यू० फार्म—9 की शर्तों के अनुसार निर्माण ईकाई को कार्य संपादित करना होगा तथा निर्माण ईकाई से कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व शासनादेश संख्या—475 / XXVII(7) / 2008, दिनांक 15-12-2008 की व्यवस्थानुसार मानक अनुबन्ध निष्पादित करा लिया जायेगा।
- 13— स्वीकृत की जा रही धनराशि के सापेक्ष दिनांक 31-03-2013 तक उपयोग की गई धनराशि का मदवार व्यय विवरण तथा उपयोगिता प्रमाण—पत्र भी प्रस्तुत कर दिया जायेगा।
- 14— अग्रेतर धनराशि अवमुक्त करने के प्रस्ताव करते समय कार्यवार L-1 दर लागत पर कार्य की अनुमोदित लागत, वित्तीय तथा भौतिक प्रगति एवं पूर्व अवमुक्त समर्त धनराशि के उपभोग प्रमाण पत्र उपलब्ध करा दिये जायेंगे।
- 2— उक्त के सम्बन्ध में होने वाला व्यय वित्तीय वर्ष 2012-13 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या—13 के आयोजनागत पक्ष के लेखाशीर्षक "4217—शहरी विकास पर पूँजीगत परिव्यय—03 छोटे तथा मध्यम श्रेणी के नगरों का समेकित विकास—आयोजनागत—191—स्थानीय निकायों, निगमों, शहरी विकास प्राधिकरणों, नगर सुधार बोर्डों को सहायता—97—वाहय सहायतित योजना—01—नगरीय अवस्थापना का सुदृढ़ीकरण—24 वृहद निर्माण कार्य के नामे डाला जायेगा।

3— यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या—1134 / XXVII(2) / 2012, दिनांक— 29 मार्च, 2013 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

4— यह आदेश वित्त विभाग के शासनादेश संख्या—183 / XXVII(2) / 2012, दिनांक— 28 मार्च, 2012 में सुनिश्चित व्यवस्थानुसार आवंटित आई0डी0—513031307987 — के अधीन निर्गत किये जा रहे हैं।

भवदीय,

—/—
(एम.एच. खान)
सचिव।

संख्या : 433/IV(2)-शाविं-12-06(एडीबी) / 11, टी.सी तदिनांक।

प्रतिलिपि, निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- 1- महालेखाकार (लेखा परीक्षा), उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 2- महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी), उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 3- निजी सचिव, माठ नगर विकास मंत्री जी, उत्तराखण्ड।
- 4- निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
- 5- आयुक्त, गढ़वाल / कुमायूं मण्डल, पौड़ी / नैनीताल।
- 6- कार्यक्रम निदेशक, उत्तराखण्ड अर्बन सेक्टर डेवलपमेंट इन्वेस्मेंट प्रोग्राम, देहरादून।
- 7- मुख्य कोषाधिकारी, देहरादून।
- 8- वित्त अनुभाग-2 / निदेशक, राज्य योजना आयोग, उत्तराखण्ड शासन।
- 9- समाज कल्याण नियोजन प्रकोष्ठ, उत्तराखण्ड शासन।
- 10- निदेशक, एनोआईसी०, सचिवालय परिसर, देहरादून को इस अनुरोध के साथ कि नगर विकास के जी०ओ० में इसे शामिल करने का कष्ट करें।
- 11- बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 12- गार्ड फाइल।

आज्ञा से,
Jitendra
(~~सुभाष चन्द्र~~)
उप सचिव।